



Lakshya IAS

academy

13

Aug 2026

DAILY CURRENT AFFAIRS



Mr. R.P. Singh Sir
(MD)



Lakshya IAS

academy

DATE:

13-08-2026

DAILY CURRENT AFFAIRS



1. लोक सभा ने विपक्ष के हंगामे के बीच एनसीडीसी संशोधन विधेयक और केरल नाम परिवर्तन विधेयक पारित किया

लोक सभा ने मंगलवार 11 अगस्त को विपक्ष के हंगामे के बीच राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम (संशोधन)



विधेयक, 2026 और केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को ध्वनि मत से पारित कर दिया। केंद्रीय मंत्री अमित शाह की ओर से पेश किए गए एनसीडीसी विधेयक में एनसीडीसी अधिनियम, 1962 में संशोधन किया गया है ताकि सहकारी समितियों के वित्तपोषण को अधिक त्वरित और लचीला बनाया जा सके और साथ ही एनसीडीसी की वित्तीय भूमिका का विस्तार किया जा सके। इस बीच, केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक राज्य का आधिकारिक नाम 'केरल' से बदलकर 'केरलम' करता है। यह संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत बदलाव का अनुरोध करते हुए जून 2024 में केरल विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव का अनुसरण करता है। लगातार विपक्षी नारेबाजी के कारण दोनों विधेयक बिना किसी चर्चा के पारित हो गए।

मुख्य बिंदु:

- एनसीडीसी संशोधन विधेयक, 2026: भारत भर में सहकारी समितियों के लिए वित्तपोषण को तेज करने और इसके वित्तीय दायरे को व्यापक बनाने के लिए एनसीडीसी अधिनियम, 1962 में संशोधन करता है।
- केरल नाम परिवर्तन: केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 संविधान की पहली अनुसूची में 'केरल' राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' करता है।

1. Lok Sabha passes NCDC Amendment Bill, Kerala Name Change Bill amid Opposition protests

The Lok Sabha on Tuesday 11 August passed the National Co-operative Development Corporation (Amendment) Bill, 2026, and the Kerala (Alteration of Name) Bill, 2026, by voice vote amid Opposition protests. Introduced on behalf of Union Minister Amit Shah, the NCDC Bill amends the NCDC Act, 1962, to make co-operative society funding faster and more flexible while expanding NCDC's financing role. Meanwhile, the Kerala (Alteration of Name) Bill changes the state's official name from 'Kerala' to 'Keralam'. This follows a unanimous resolution passed by the Kerala Legislative Assembly in June 2024 requesting the change under Article 3 of the Constitution. Both bills passed without discussion due to continuous opposition sloganeering.



Key Points:

- NCDC Amendment Bill, 2026: Amends the NCDC Act, 1962, to accelerate funding and broaden the financing scope for co-operative societies across India.
- Kerala Name Change: The Kerala (Alteration of Name) Bill, 2026, renames the state of 'Kerala' to 'Keralam' in the First Schedule of the Constitution.



लक्ष्य IAS तेलीबाग लखनऊ

Lakshya IAS Academy



8182093320



- संवैधानिक आधार: नाम परिवर्तन जून 2024 में केरल विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव के बाद भारतीय संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत शुरू किया गया था।

2. अंडर-23 राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैंपियनशिप के पहले दिन भारत ने 4 स्वर्ण सहित 17 पदक जीते

✎ भारत ने नाइजीरिया के लागोस में आयोजित

अंडर-23 राष्ट्रमंडल तलवारबाजी

चैंपियनशिप के पहले दिन 17 पदक हासिल

करके शानदार शुरुआत की। भारतीय दल ने

सेबर, फॉयल और एपे स्पर्धाओं की सभी छह व्यक्तिगत स्पर्धाओं में पॉडियम स्थान हासिल करते हुए 4 स्वर्ण, 4 रजत और 9 कांस्य पदक अपने नाम किए। शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में, निखिल बाघ ने पुरुषों की सेबर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि जॉयस आशिता ने महिलाओं की फॉयल स्पर्धा में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इसके अतिरिक्त, प्राची लोहान ने महिलाओं की एपे स्पर्धा में और जेफरलिन ने महिलाओं की सेबर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। भारत के इस मजबूत शुरुआती अभियान ने चैंपियनशिप के शेष समय के लिए एक प्रभावशाली प्रदर्शन की नींव रखी है, क्योंकि एथलीट और अधिक पदक जोड़ने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं।



मुख्य बिंदु:

- शानदार पदक तालिका: भारत ने टूर्नामेंट के पहले दिन कुल 17 पदक (4 स्वर्ण, 4 रजत, 9 कांस्य) सुरक्षित किए और सभी छह व्यक्तिगत स्पर्धाओं में पॉडियम तक पहुंचे।
- मेजबान स्थल और स्पर्धाएँ: अंडर-23 राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैंपियनशिप नाइजीरिया के लागोस में आयोजित की जा रही है, जिसमें सेबर, फॉयल और एपे श्रेणियों में प्रतियोगिताएँ शामिल हैं।
- स्वर्ण पदक विजेता: चार व्यक्तिगत स्वर्ण पदक निखिल बाघ (पुरुष सेबर), जॉयस आशिता (महिला फॉयल), प्राची लोहान (महिला एपे) और जेफरलिन (महिला सेबर) ने जीते।

- Constitutional Basis: The name change was initiated under Article 3 of the Indian Constitution following a unanimous resolution passed by the Kerala Legislative Assembly in June 2024.

2. India wins 17 medals, including 4 gold, on opening day of U-23 Commonwealth Fencing Championship

✎ India made an outstanding

start at the U-23

Commonwealth Fencing

Championship in Lagos,

Nigeria, securing 17 medals

on the opening day. The Indian contingent bagged 4 gold, 4 silver, and 9 bronze medals, claiming podium finishes across all six individual events in the Sabre, Foil, and Epee disciplines. Among the top performers, Nikhil Wagh won gold in men's Sabre, while Joys Ashita claimed gold in women's Foil. Additionally, Prachi Lohan clinched gold in women's Epee, and Jeferlin took home the gold in women's Sabre. India's strong initial campaign sets a dominant tone for the remainder of the championship as athletes aim to add more accolades.



Key Points:

- Dominant Medal Tally: India secured a total of 17 medals (4 gold, 4 silver, 9 bronze) on the opening day of the tournament, reaching the podium in all six individual events.
- Host Venue and Disciplines: The U-23 Commonwealth Fencing Championship is being held in Lagos, Nigeria, featuring competition across the Sabre, Foil, and Epee categories.
- Gold Medalists: The four individual gold medals were clinched by Nikhil Wagh (men's Sabre), Joys Ashita (women's Foil), Prachi Lohan (women's Epee), and Jeferlin (women's Sabre).





Lakshya IAS

academy

DATE:

13-08-2026

DAILY CURRENT AFFAIRS



3. विक्रम-1 की सफलता के बाद स्काईरूट ने बहु-

प्रक्षेपण समझौते पर हस्ताक्षर किए

✎ हैदराबाद स्थित निजी अंतरिक्ष कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने 10 अगस्त को स्पेसटेक स्टार्टअप एचईएक्स20



(HEX20) के साथ वर्ष 2027 की चौथी

तिमाही से शुरू होने वाले तीन उपग्रह प्रक्षेपण मिशनों को अंजाम देने के लिए एक बहु-प्रक्षेपण समझौते (एमएलए) पर हस्ताक्षर किए। यह अनुबंध श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से भारत के पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल-क्लास लॉन्च व्हीकल, विक्रम-1 की पहली कक्षीय उड़ान के बाद हुआ है। विक्रम-1 ने स्कोप (SCOPE) और ग्रहा (Grahaa) उपग्रहों सहित कई पेलोड को सफलतापूर्वक पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया। यह समझौता स्काईरूट के विक्रम श्रृंखला के रॉकेटों का उपयोग करके पृथ्वी-अवलोकन और पेलोड प्रदर्शन मिशनों को शामिल करता है। यह साझेदारी अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधारों द्वारा सक्षम भारत के विस्तार लेते निजी वाणिज्यिक अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को रेखांकित करती है, जिसमें स्काईरूट 2026 में अतिरिक्त विक्रम-1 परीक्षण उड़ानों की योजना बना रहा है और सालाना 12 प्रक्षेपणों की दीर्घकालिक उत्पादन क्षमता का लक्ष्य रख रहा है।

मुख्य बिंदु:

- बहु-प्रक्षेपण साझेदारी: स्काईरूट एयरोस्पेस ने 2027 की चौथी तिमाही में शुरू होने वाले विक्रम-श्रृंखला के रॉकेटों का उपयोग करके तीन समर्पित वाणिज्यिक मिशनों के लिए स्पेसटेक स्टार्टअप एचईएक्स20 के साथ एक बहु-प्रक्षेपण समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- महत्वपूर्ण विक्रम-1 मिशन: यह समझौता श्रीहरिकोटा से विक्रम-1 की सफल पहली कक्षीय उड़ान के बाद हुआ है, जिसने स्कोप और ग्रहा जैसे ग्राहक उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया।
- वाणिज्यिक वृद्धि और विस्तार: स्काईरूट का लक्ष्य प्रति वर्ष 12 प्रक्षेपणों का दीर्घकालिक परिचालन लक्ष्य है, जो भारत के निजी वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्षेत्र के विस्तार को उजागर करता है।

Skyroot Signs Multi-Launch Deal After Vikram-1 Success

✎ Hyderabad-based private space firm Skyroot Aerospace signed a Multi-Launch Agreement (MLA) with spaceteck startup HEX20 on 10 August to execute three satellite launch missions starting Q4 2027. This contract follows the maiden orbital flight of Vikram-1, India's first privately developed orbital-class launch vehicle, launched from Sriharikota's Satish Dhawan Space Centre. Vikram-1 successfully deployed payloads, including the SCOPE and Grahaa satellites, into Low Earth Orbit. The agreement covers Earth-observation and payload demonstration missions using Skyroot's Vikram series rockets. This partnership underscores India's expanding private commercial space ecosystem enabled by space sector reforms, with Skyroot planning additional Vikram-1 test flights in 2026 and targeting a long-term production capacity of 12 launches annually.



Key Points:

- Multi-Launch Partnership: Skyroot Aerospace signed an MLA with spaceteck startup HEX20 for three dedicated commercial missions using Vikram-series rockets beginning in Q4 2027.
- Milestone Vikram-1 Mission: The agreement follows Vikram-1's successful maiden orbital flight from Sriharikota, which deployed customer satellites like SCOPE and Grahaa into Low Earth Orbit.
- Commercial Growth and Scale: Skyroot aims for a long-term operational target of 12 launches per year, highlighting the expansion of India's private commercial space sector.



लक्ष्य IAS तेलीबाग लखनऊ



Lakshya IAS Academy



8182093320



4. टीबीएम 'दिव्या' ने जोका-एसप्लेनेड मेट्रो कॉरिडोर में

विक्टोरिया से टनलिंग शुरू की

✎ टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) 'दिव्या' ने मंगलवार 11 अगस्त से जोका-एसप्लेनेड कॉरिडोर (पर्पल लाइन) के हिस्से के रूप में कोलकाता मेट्रो के विक्टोरिया स्टेशन से टनलिंग का काम शुरू कर दिया। दक्षिण-पश्चिम कोलकाता को मध्य क्षेत्रों से जोड़ने के लिए डिज़ाइन की गई इस परियोजना में खिदिरपुर और पार्क स्ट्रीट के बीच 2.65 किलोमीटर लंबी जुड़वां सुरंग बनाने के लिए चेन्नई में निर्मित दो टीबीएम 'दुर्गा' और 'दिव्या' का उपयोग किया जा रहा है। ज़मीन से लगभग 17 मीटर नीचे काम करने वाली ये 95 मीटर लंबी और 600 टन वज़नी मशीनें प्रति मिनट 80 मिमी तक खुदाई कर सकती हैं। 'दुर्गा' पार्क स्ट्रीट की ओर टनलिंग कर रही है, जिसके पूरे होने का लक्ष्य दिसंबर 2026 रखा गया है, जबकि 'दिव्या' जोका की ओर जाने वाली लाइन को संभाल रही है, जिसकी टनलिंग मार्च 2027 तक पूरी होने की उम्मीद है। अगली पीढ़ी की इन दोनों टीबीएम में स्थानीय भूवैज्ञानिक स्थितियों के अनुकूल उन्नत सुरक्षा सुविधाएँ शामिल हैं।



मुख्य बिंदु:

- कॉरिडोर और बुनियादी ढांचा: टीबीएम 'दिव्या' ने कोलकाता मेट्रो के जोका-एसप्लेनेड पर्पल लाइन कॉरिडोर पर विक्टोरिया मेमोरियल स्टेशन से भूमिगत खुदाई शुरू की।
- टीबीएम की विशेषताएँ: चेन्नई में निर्मित, ये जुड़वाँ टीबीएम ('दुर्गा' और 'दिव्या') 95 मीटर लंबी हैं, इनमें से प्रत्येक का वज़न 600 टन है और ये ज़मीन से 17 मीटर नीचे काम करती हैं।
- परियोजना की समयसीमा: टीबीएम 'दुर्गा' द्वारा पार्क स्ट्रीट की ओर खुदाई दिसंबर 2026 तक पूरी होने का कार्यक्रम है, जबकि टीबीएम 'दिव्या' की खुदाई मार्च 2027 तक पूरी होने का लक्ष्य है।

TBM 'Divya' begins tunnelling from Victoria in Joka-Esplanade Metro corridor

✎ Tunnel Boring Machine (TBM) 'Divya' commenced tunnelling from Kolkata Metro's Victoria station as part of the Joka-Esplanade corridor (Purple Line) from Tuesday 11th August. Designed to connect southwestern Kolkata with central areas, the project utilizes two Chennai-manufactured TBMs, 'Durga' and 'Divya', to construct a 2.65-km twin-tube tunnel between Kidderpore and Park Street. Operating nearly 17 meters underground, these 95-meter-long, 600-ton machines can excavate up to 80 mm per minute. 'Durga' is tunnelling towards Park Street with completion targeted for December 2026, while 'Divya' handles the Joka-bound line, with its breakthrough expected by March 2027. Both next-generation TBMs incorporate advanced safety features suited to local geology.



Key Points:

- Corridor and Infrastructure: TBM 'Divya' initiated underground excavation at Victoria Memorial station along Kolkata Metro's Joka-Esplanade Purple Line corridor.
- TBM Specifications: Manufactured in Chennai, the twin TBMs ('Durga' and 'Divya') are 95 meters long, weigh 600 tonnes each, and operate 17 meters underground.
- Project Timeline: Excavation by TBM 'Durga' towards Park Street is scheduled for completion by December 2026, while TBM 'Divya' is set for breakthrough in March 2027.





Lakshya IAS

academy

DATE:

13-08-2026

DAILY CURRENT AFFAIRS



5. नासा ने इसरो को मून बेस प्रोग्राम के लिए आमंत्रित किया

नासा ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को आर्टेमिस समझौते के ढांचे के तहत अपने मून बेस प्रोग्राम में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया है। इस आमंत्रण पर 5-6 अगस्त, 2026 को बेंगलुरु में आयोजित 9वीं भारत-अमेरिका नागरिक अंतरिक्ष संयुक्त कार्य समूह (सीएसजेडब्ल्यूजी) की बैठक के दौरान चर्चा की गई थी। यह सहयोग जून 2023 में भारत द्वारा आर्टेमिस समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद, चंद्र अन्वेषण और खुले वैज्ञानिक डेटा साझाकरण में द्विपक्षीय संबंधों को विस्तार देता है। मून बेस पहल नासा के आर्टेमिस आर्किटेक्चर का एक अभिन्न हिस्सा है जिसका उद्देश्य चंद्रमा पर स्थायी रूप से मानव उपस्थिति स्थापित करना है। यह साझेदारी नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (निसार) पृथ्वी-अवलोकन मिशन जैसी पिछली सफलताओं के बाद नागरिक अंतरिक्ष सहयोग को मजबूत करती है।



मुख्य बिंदु:

- औपचारिक आमंत्रण: नासा ने बेंगलुरु में आयोजित 9वीं नागरिक अंतरिक्ष संयुक्त कार्य समूह (सीएसजेडब्ल्यूजी) की बैठक के दौरान इसरो को आर्टेमिस समझौते के तहत अपने स्थायी मून बेस प्रोग्राम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।
- आर्टेमिस ढांचा: यह सहयोग 21 जून, 2023 को अमेरिका के नेतृत्व वाले गैर-बाध्यकारी आर्टेमिस समझौते का हस्ताक्षरकर्ता देश बनने से उपजा है, जो पारदर्शी और सहयोगात्मक चंद्र एवं गहरे अंतरिक्ष अन्वेषण को बढ़ावा देता है।
- विस्तारित अंतरिक्ष साझेदारी: यह पहल निसार दोहरे-आवृत्ति रडार उपग्रह मिशन जैसे मौजूदा संयुक्त उद्यमों के साथ-साथ भारत-अमेरिका नागरिक अंतरिक्ष संबंधों को बढ़ाती है।

5. NASA Invites ISRO for Moon Base Programme

NASA has formally invited the Indian Space Research Organisation (ISRO) to join its Moon Base programme under the Artemis Accords framework. This invitation was discussed during the 9th India-U.S. Civil Space Joint Working Group (CSJWG) meeting held in Bengaluru on August 5-6, 2026. The collaboration builds on India signing the Artemis Accords in June 2023, expanding bilateral ties in lunar exploration and open scientific data sharing. The Moon Base initiative is an integral part of NASA's Artemis architecture aimed at establishing a sustained human presence on the Moon. This partnership strengthens civil space cooperation, following prior successes like the NASA-ISRO Synthetic Aperture Radar (NISAR) Earth-observation mission.



Key Points:

- Formal Invitation: NASA invited ISRO to join its permanent Moon Base programme under the Artemis Accords architecture during the 9th Civil Space Joint Working Group (CSJWG) meeting in Bengaluru.
- Artemis Framework: The collaboration stems from India becoming a signatory to the US-led non-binding Artemis Accords on June 21, 2023, which promotes transparent, cooperative lunar and deep-space exploration.
- Expanded Space Partnership: The initiative enhances India-U.S. civil space ties alongside existing joint ventures such as the NISAR dual-frequency radar satellite mission.



लक्ष्य IAS तेलीबाग लखनऊ



Lakshya IAS Academy



8182093320



6. बशर अल-असद को सीरिया में मृत्युदंड की सजा सुनाई गई

दमिश्क की एक आपराधिक अदालत ने 11 अगस्त को सीरिया के बेदखल राष्ट्रपति बशर अल-असद को सीरिया के 14 साल लंबे गृहयुद्ध के दौरान किए गए युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए उनकी अनुपस्थिति में मृत्युदंड की सजा सुनाई। सीरिया के अंतरिम अधिकारियों द्वारा सुनाए गए इस फैसले में उनके भाई माहेर अल-असद को भी उनकी अनुपस्थिति में मृत्युदंड दिया गया, जबकि दारा प्रांत के पूर्व राजनीतिक सुरक्षा प्रमुख और उनके चचेरे भाई आतिफ नजीब को अदालत में उपस्थिति के दौरान मृत्युदंड की सजा सुनाई गई। ये आरोप 2011 के विद्रोह के दमन के बाद राज्य द्वारा प्रायोजित गंभीर अत्याचारों, यातनाओं और सामूहिक हत्याओं से संबंधित हैं। विपक्ष के बलों द्वारा दमिश्क पर कब्जा करने के बाद दिसंबर 2024 में असद को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था, जिससे असद परिवार के पांच दशकों से अधिक के शासन का अंत हुआ था। वर्तमान में असद रूस में रह रहे हैं, जहां उन्हें राजनीतिक शरण दी गई है।



मुख्य बिंदु:

- न्यायिक फैसला: दमिश्क की एक आपराधिक अदालत ने बेदखल सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद और उनके भाई माहेर अल-असद को युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए उनकी अनुपस्थिति में मृत्युदंड की सजा सुनाई।
- सह-आरोपी को सजा: 2011 में प्रदर्शनकारियों पर किए गए क्रूर दमन के लिए जिम्मेदार दारा के पूर्व राजनीतिक सुरक्षा प्रमुख और असद के चचेरे भाई आतिफ नजीब को अदालत में उपस्थिति के दौरान मृत्युदंड की सजा सुनाई गई।
- ऐतिहासिक फैसला: पांच दशकों के शासन के बाद दिसंबर 2024 में असद शासन के पतन के बाद से सीरिया की नई अंतरिम सरकार द्वारा असद के खिलाफ सुनाया गया यह पहला मृत्युदंड का फैसला है।

Bashar al-Assad Sentenced to Death in Syria

A criminal court in Damascus sentenced ousted Syrian President Bashar al-Assad to death in absentia on 11th August for war crimes and crimes against humanity committed during Syria's 14-year civil war. Handed down by Syria's transitional authorities, the verdict also gave the death penalty to his brother Maher al-Assad in absentia and his cousin Atef Najib, the former political security chief of Daraa province, who was tried in person. The charges stem from severe state-directed atrocities, torture, and mass killings following the 2011 uprising crackdown. Assad was ousted in December 2024 after opposition forces captured Damascus, ending over five decades of Assad family rule, and currently resides in Russia, where he was granted political asylum.



Key Points:

- Judicial Verdict: A Damascus criminal court sentenced ousted Syrian President Bashar al-Assad and his brother Maher al-Assad to death in absentia for war crimes and crimes against humanity.
- Co-Accused Sentenced: Assad's cousin Atef Najib, former political security chief in Daraa responsible for the brutal 2011 crackdown on protesters, was sentenced to death in person.
- Historic Ruling: This marks the first death sentence delivered against Assad by Syria's new transitional government since his regime collapsed in December 2024 after five decades of rule.





Lakshya IAS

academy

DATE:

13-08-2026

DAILY CURRENT AFFAIRS



7. एमएसएमई मंत्रालय और डीपीआईआईटी ने जीआई

उत्पादों की बाजार पहुंच बढ़ाने के लिए समझौता

जापान पर हस्ताक्षर किए

✍ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई)

मंत्रालय ने 11 अगस्त को नई दिल्ली के



वाणिज्य भवन में उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत के भौगोलिक संकेत (जीआई) उत्पादों के व्यावसायीकरण, गुणवत्ता मानकीकरण और वैश्विक बाजार पहुंच को गति देना है। इस समझौते के तहत, जीआई समूहों और अधिकृत उपयोगकर्ताओं को एकीकृत "भारत जीआई" बैनर के अंतर्गत ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) और गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) सहित डिजिटल वाणिज्य प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाएगा। यह पहल आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए स्वदेशी कारीगरों और बुनकरों का समर्थन करने के लिए एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पारिस्थितिकी तंत्र को एकीकृत करती है।

मुख्य बिंदु:

- रणनीतिक सहयोग: यह समझौता ज्ञापन स्थानीयकृत शिल्प को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए 1999 के अधिनियम के तहत डीपीआईआईटी के कानूनी जीआई पंजीकरण ढांचे को एमएसएमई मंत्रालय की उद्यम सहायता प्रणालियों से जोड़ता है।
- डिजिटल एकीकरण: बाजार पहुंच का विस्तार करने के लिए अधिकृत जीआई समूहों को एक समर्पित "भारत जीआई" बैनर के तहत ओएनडीसी और जेम पर लाया जाएगा।
- ओडीओपी संरक्षण: यह साझेदारी गुणवत्ता मानकीकरण, क्षमता निर्माण और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनियों में संयुक्त भागीदारी के माध्यम से एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करती है।

MSME Ministry, DPIIT sign MoU to boost GI products' market access



The Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) signed a Memorandum of



Understanding (MoU) with the Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT) at Vanijya Bhawan, New Delhi on August 11. This partnership aims to accelerate the commercialization, quality standardization, and global market access of India's Geographical Indication (GI) products. Under this agreement, GI collectives and authorized users will be onboarded onto digital commerce platforms, including the Open Network for Digital Commerce (ONDC) and Government e-Marketplace (GeM), under a unified "Bharat GI" banner. The initiative integrates the One District One Product (ODOP) ecosystem to support indigenous artisans and weavers while advancing the vision of Aatmanirbhar Bharat and Vocal for Local.

Key Points:

- Strategic Collaboration: The MoU bridges DPIIT's legal GI registration framework under the 1999 Act with the MSME Ministry's enterprise support systems to scale localized crafts globally.
- Digital Integration: Authorised GI collectives will be onboarded onto ONDC and GeM under a dedicated "Bharat GI" banner to expand market reach.
- ODOP Alignment: The partnership strengthens the One District One Product (ODOP) ecosystem through quality standardization, capacity building, and joint participation in national and international trade expos



लक्ष्य IAS तेलीबाग लखनऊ



Lakshya IAS Academy



8182093320



Lakshya IAS

academy

DATE:

13-08-2026

DAILY CURRENT AFFAIRS



8. संसद ने कराधान और अन्य विधि (संशोधन) 8.

विधेयक, 2026 पारित किया

✂ संसद ने मंगलवार 11 अगस्त को राज्यसभा द्वारा चर्चा के बाद धन विधेयक (अनुच्छेद 109) को लोकसभा को लौटाए जाने के बाद कराधान और अन्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित कर दिया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया यह कानून जून में प्रख्यापित आयकर (संशोधन) अध्यादेश, 2026 का स्थान लेता है। यह भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007, आयकर अधिनियम, 2025 और वित्त अधिनियम, 2026 में संशोधन करता है। बहस के दौरान प्रमुख प्रावधानों को स्पष्ट करते हुए, वित्त मंत्री ने आश्वासन दिया कि यह विधेयक यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) उपयोगकर्ताओं पर कोई कर या लेन-देन शुल्क नहीं लगाता है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए यह प्लेटफॉर्म मुफ्त रहेगा। इसके अतिरिक्त, सरकार ने पुष्टि की कि छोटे व्यापारियों पर कोई मर्चेन्ट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क नहीं लगाया जाएगा, जो समावेशी डिजिटल विकास और आर्थिक सुगमता का समर्थन करता है।



मुख्य बिंदु:

- विधायी पारगमन: संसद ने कराधान और अन्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित किया, जो 5 जून, 2026 को प्रख्यापित आयकर (संशोधन) अध्यादेश का स्थान लेता है।
- यूपीआई के लिए प्रावधान: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट रूप से यह स्पष्ट किया कि इस विधेयक में उपभोक्ताओं के लिए यूपीआई भुगतानों पर कोई कर या लेन-देन शुल्क शामिल नहीं है।
- छोटे व्यापारियों की सुरक्षा: सरकार ने दोहराया कि डिजिटल भुगतान की समावेशिता को बनाए रखने के लिए छोटे व्यापारियों पर कोई मर्चेन्ट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क नहीं लगाया जाएगा।

Parliament passes Taxation and Other Laws (Amendment) Bill, 2026

✂ Parliament passed the Taxation and Other Laws (Amendment) Bill, 2026, on Tuesday 11 August after the Rajya Sabha discussed and returned the Money Bill (Article 109) to the Lok Sabha. Moved by Union Finance Minister Nirmala Sitharaman, the legislation replaces the Income-tax (Amendment) Ordinance, 2026, promulgated in June. It amends the Payment and Settlement Systems Act, 2007, the Income-tax Act, 2025, and the Finance Act, 2026. Clarifying key provisions during the debate, the Finance Minister assured that the bill does not impose any tax or transaction charges on Unified Payments Interface (UPI) users, keeping the platform free for consumers. Additionally, the government confirmed that no Merchant Discount Rate (MDR) charges will be levied on small merchants, supporting inclusive digital growth and economic ease.



Key Points:

- Legislative Passage: Parliament passed the Taxation and Other Laws (Amendment) Bill, 2026, replacing the Income-tax (Amendment) Ordinance promulgated on June 5, 2026.
- Provisions for UPI: Finance Minister Nirmala Sitharaman explicitly clarified that the bill contains no tax or transaction charges on UPI payments for consumers.
- Small Merchant Protection: The government reiterated that no Merchant Discount Rate (MDR) charges will be imposed on small merchants to maintain digital payment inclusivity.



लक्ष्य IAS तेलीबाग लखनऊ



Lakshya IAS Academy



8182093320



Lakshya IAS

academy

DATE:

13-08-2026

DAILY CURRENT AFFAIRS



9. प्रक्षेपण के बाद चीन का लॉन्ग मार्च 7 ए रॉकेट 9.

विस्फोटित हुआ

- 10 अगस्त की देर रात हैनान द्वीप पर स्थित वेनचांग स्पेस लॉन्च साइट से उड़ान भरने के लगभग 85 सेकंड बाद चीन का 60 मीटर



लंबा लॉन्ग मार्च 7ए रॉकेट विस्फोटित हो गया। रॉकेट के पहले चरण में उड़ान के दौरान एक बड़ी खराबी आई, जिसके परिणामस्वरूप दक्षिण चीन सागर के ऊपर यह पूरी तरह से टूटकर नष्ट हो गया और इसका पेलोड भी नष्ट हो गया। यह मिशन चाइनासेट-4बी (झोंगक्सिंग-4बी) संचार उपग्रह को ले जा रहा था, जिसे वैश्विक रेडियो, टेलीविजन और दूरसंचार सेवाएँ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। वाईएफ-100 तरल-ईंधन इंजनों पर चलने वाला लॉन्ग मार्च 7ए चीन के कक्षीय प्रक्षेपण बेड़े में एक प्रमुख मध्यम-क्षमता वाला वाहन है। राज्य समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने मिशन की विफलता की पुष्टि करते हुए कहा कि इसके कारण की जाँच जारी है। मार्च 2020 में अपनी पहली उड़ान की खराबी के बाद से रॉकेट की यह पहली विफलता है।

मुख्य बिंदु:

- उड़ान के दौरान विस्फोट की खराबी: चीन का लॉन्ग मार्च 7ए रॉकेट हैनान के वेनचांग स्पेस लॉन्च साइट से अपनी उड़ान भरने के लगभग 85 सेकंड बाद पहले चरण के दहन के दौरान विस्फोटित हो गया।
- पेलोड का नुकसान: रॉकेट चाइनासेट-4बी (झोंगक्सिंग-4बी) उपग्रह ले जा रहा था, जिसे उच्च-कक्षा दूरसंचार, प्रसारण और वॉयस डेटा ट्रांसमिशन के लिए डिज़ाइन किया गया था।
- प्रक्षेपण यान का इतिहास: 60 मीटर लंबा यह मध्यम-क्षमता वाला रॉकेट वाईएफ-100 इंजनों का उपयोग करता है और 2020 में अपनी पहली उड़ान की दुर्घटना के बाद से इसे अपनी पहली परिचालन विफलता का सामना करना पड़ा।

China's Long March 7A Rocket Explodes

After Launch

- China's 60-meter-tall Long March 7A rocket exploded roughly 85 seconds after liftoff from the Wenchang



Space Launch Site on Hainan Island in the late hours of 10 August. The rocket suffered a major first-stage in-flight anomaly, resulting in a total breakup and loss of its payload over the South China Sea. The mission was carrying the ChinaSat-4B (Zhongxing-4B) communications satellite, which was designed to provide global radio, television, and telecommunications services. Operating on YF-100 liquid-fuel engines, the Long March 7A is a key medium-lift vehicle in China's orbital launch fleet. State news agency Xinhua confirmed the mission failure, stating that investigation into the cause is underway. This marks the rocket's first failure since its maiden flight malfunction in March 2020.

Key Points:

- In-Flight Exploding Anomaly: China's Long March 7A rocket exploded ~85 seconds into flight from Hainan's Wenchang Space Launch Site during its first-stage burn.
- Payload Loss: The rocket was carrying the ChinaSat-4B (Zhongxing-4B) satellite, designed for high-orbit telecommunications, broadcasting, and voice data transmission.
- Launch Vehicle History: The 60-meter-tall medium-lift rocket utilizes YF-100 engines and suffered its first operational failure since its initial 2020 maiden launch mishap.



लक्ष्य IAS तेलीबाग लखनऊ



Lakshya IAS Academy



8182093320



Lakshya IAS

academy

DATE:

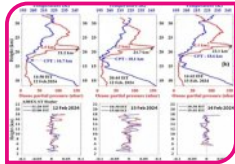
13-08-2026

DAILY CURRENT AFFAIRS



10. वैज्ञानिकों ने उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर असामान्य रूप से मोटी ओजोन परत का पता लगाया

भारतीय वैज्ञानिकों ने अगस्त 2026 में उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर 21-23 किमी की सामान्य से कम ऊंचाई पर एक असामान्य रूप से मोटी ओजोन परत का पता लगाया, जो एक दिन से अधिक समय तक बनी रही। अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन के 'अर्थ एंड स्पेस साइंस' जर्नल में प्रकाशित यह अध्ययन आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एआरआईएस) जैसे संस्थानों को शामिल करते हुए फेज-I नेटआरएडी-एसएमए (NetRAD-ASMA) अभियान के दौरान आयोजित किया गया था। मौसम के गुब्बारों, उपग्रह अवलोकनों (ऑरा एमएलएस, इनसैट-3डीआर) और नैनीताल के एआरआईएस में 206.5 मेगाहर्ट्ज एसटी रडार सहित देशव्यापी रडार नेटवर्क के आंकड़ों का विश्लेषण करके, शोधकर्ताओं ने निर्धारित किया कि प्रकाश-रासायनिक (फोटोकेमिकल) प्रतिक्रियाओं के बजाय वायुमंडलीय परिसंचरण, क्षैतिज परिवहन और हवा की नीचे की ओर गति के कारण यह संचय हुआ, जिसने भारतीय उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में समताप मंडलीय ओजोन गतिकी की समझ को आगे बढ़ाया है।



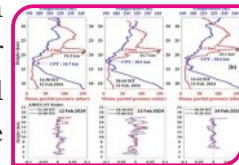
मुख्य बिंदु:

- असामान्य खोज: उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर सामान्य 25-30 किमी के शिखर से काफी नीचे 21-23 किमी की ऊंचाई पर एक असामान्य रूप से केंद्रित, मोटी ओजोन परत देखी गई।
- वायुमंडलीय परिवहन तंत्र: यह वृद्धि दिन-रात बनी रही और प्रकाश-रासायनिक प्रक्रियाओं के बजाय क्षैतिज वायुमंडलीय परिवहन, नीचे की ओर गति और ओजोन-समृद्ध वायु द्रव्यमान के संपीड़न द्वारा संचालित थी।
- बहु-संस्थागत अभियान: फेज-I नेटआरएडी-एसएमए पहल के तहत आयोजित इस अध्ययन में जमीनी रडार (जैसे एआरआईएस नैनीताल का एसटी रडार), मौसम के गुब्बारे और उपग्रह डेटा (ऑरा एमएलएस, इनसैट-3डीआर) को शामिल किया गया।

— ★ ★ ★ —

10. Scientists detect unusually thick ozone layer over North Bay of Bengal

Indian scientists detected an unusually thick ozone layer at a lower-than-normal altitude of 21–23 km over the North Bay of Bengal, persisting for over a day in August 2026. Published in the American Geophysical Union's Earth and Space Science journal, the study was conducted during the Phase-I NetRAD-ASMA campaign involving institutes like the Aryabhatta Research Institute of Observational Sciences (ARIES). By analyzing data from weather balloons, satellite observations (Aura MLS, INSAT-3DR), and a nationwide radar network, including the 206.5 MHz ST Radar at ARIES, Nainital, researchers determined that atmospheric circulation, horizontal transport, and downward air movement caused the accumulation rather than photochemical reactions, advancing understanding of stratospheric ozone dynamics over the Indian subtropical region.



Key Points:

- Anomalous Discovery: An unusually concentrated, thick ozone layer was observed at 21–23 km altitude over the North Bay of Bengal, well below the typical 25–30 km peak.
- Atmospheric Transport Mechanism: The enhancement persisted day and night and was driven by horizontal atmospheric transport, downward movement, and compression of ozone-rich air masses rather than photochemical processes.
- Multi-Institutional Campaign: Conducted under the Phase-I NetRAD-ASMA initiative, the study combined ground radars (such as ARIES Nainital's ST Radar), weather balloons, and satellite data (Aura MLS, INSAT-3DR).

— ★ ★ ★ —



लक्ष्य IAS तेलीबाग लखनऊ



Lakshya IAS Academy



8182093320



Lakshya IAS

academy

DATE:

13-08-2026

DAILY CURRENT AFFAIRS



दैनिक समसामयिक

DAILY

**CURRENT
AFFAIRS**

MCQs

प्रश्नोत्तरी



Q1. पृथ्वी की प्राकृतिक सुरक्षात्मक ओजोन परत मुख्य रूप से वायुमंडल की किस परत में स्थित है?

- (a) क्षोभमंडल (b) तापमंडल
(c) मध्यमंडल (d) समताप मंडल

Q2. चीन ने ChinaSat-4B उपग्रह ले जाने वाले Long March 7A रॉकेट को किस अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र से लॉन्च किया था?

- (a) जिउक्वान सैटेलाइट लॉन्च सेंटर
(b) ताइयुआन सैटेलाइट लॉन्च सेंटर
(c) वेनचांग स्पेस लॉन्च साइट
(d) शिचांग सैटेलाइट लॉन्च सेंटर

Q3. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में धन विधेयक को पारित करने की विशेष प्रक्रिया का प्रावधान किया गया है?

- (a) अनुच्छेद 109 (b) अनुच्छेद 110
(c) अनुच्छेद 111 (d) अनुच्छेद 112

Q4. भारत में भौगोलिक संकेतकों (GI) के पंजीकरण और कानूनी संरक्षण को नियंत्रित करने वाला अधिनियम कौन सा है?

- (a) ट्रेड मार्क्स अधिनियम, 1999
(b) भारतीय कॉपीराइट अधिनियम, 1957
(c) पेटेंट अधिनियम, 1970
(d) भौगोलिक उपदर्शन (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

Q5. सीरिया की राजधानी कौन सी है, जहाँ 11 अगस्त 2026 को एक आपराधिक अदालत ने बशर अल-असद को अनुपस्थिति में मृत्युदंड की सजा सुनाई?

- (a) अलेप्पो (b) दमिश्क
(c) होम्स (d) इदलिब

Q6. अगस्त 2026 में NASA ने ISRO को अपने मून बेस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए किस अंतरराष्ट्रीय ढांचे के तहत आमंत्रित किया?

- (a) बाह्य अंतरिक्ष संधि (b) चंद्रमा समझौता 1979
(c) आर्टेमिस समझौते (d) कोपर्निकस कार्यक्रम

Q1. The natural protective ozone layer of the Earth is mainly located in which layer of the atmosphere?

- (a) Troposphere (b) Thermosphere
(c) Mesosphere (d) Stratosphere

Q2. From which space launch center did China launch the Long March 7A rocket carrying the ChinaSat-4B satellite?

- (a) Jiuquan Satellite Launch Center
(b) Taiyuan Satellite Launch Center
(c) Wenchang Space Launch Site
(d) Xichang Satellite Launch Center

Q3. Which Article of the Indian Constitution provides for the special procedure for the passage of a Money Bill?

- (a) Article 109 (b) Article 110
(c) Article 111 (d) Article 112

Q4. Which Act governs the registration and legal protection of Geographical Indications (GI) in India?

- (a) Trade Marks Act, 1999
(b) Indian Copyright Act, 1957
(c) Patents Act, 1970
(d) Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999

Q5. What is the capital of Syria, where a criminal court sentenced Bashar al-Assad to death in absentia on August 11, 2026?

- (a) Aleppo (b) Damascus
(c) Homs (d) Idlib

Q6. Under which international framework did NASA invite ISRO to join its Moon Base programme in August 2026?

- (a) Outer Space Treaty
(b) Moon Agreement, 1979
(c) Artemis Accords
(d) Copernicus Programme



लक्ष्य IAS तेलीबाग लखनऊ

Lakshya IAS Academy



8182093320



Lakshya IAS

academy

DATE:

13-08-2026

DAILY CURRENT AFFAIRS



Q7. अगस्त 2026 में जोका-एस्पलेनेड मेट्रो कॉरिडोर के लिए 'दुर्गा' और 'दिव्या' टनल बोरिंग मशीनें किस शहर में तैनात की गई हैं?

- (a) कोलकाता (b) मुंबई
(c) चेन्नई (d) बेंगलुरु

Q8. स्काईरूट एयरोस्पेस के भारत के पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट का नाम क्या है?

- (a) विक्रम-S (b) SSLV-D2
(c) अग्निबाण SOrTeD (d) विक्रम-1

Q9. अगस्त 2026 में U-23 कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप कहाँ आयोजित की जा रही है?

- (a) अकरा, घाना (b) लागोस, नाइजीरिया
(c) नैरोबी, केन्या (d) बर्मिंघम, इंग्लैंड

Q10. भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद संसद को किसी मौजूदा राज्य का नाम, क्षेत्र या सीमाएं बदलने की शक्ति प्रदान करता है?

- (a) अनुच्छेद 1 (b) अनुच्छेद 2
(c) अनुच्छेद 3 (d) अनुच्छेद 4

Q7. In which city are the 'Durga' and 'Divya' Tunnel Boring Machines (TBMs) deployed for the Joka-Esplanade Metro Corridor in August 2026?

- (a) Kolkata (b) Mumbai
(c) Chennai (d) Bengaluru

Q8. What is the name of Skyroot Aerospace's first privately developed orbital-class rocket in India?

- (a) Vikram-S (b) SSLV-D2
(c) Agnibaan SOrTeD (d) Vikram-1

Q9. Where is the U-23 Commonwealth Fencing Championship being held in August 2026?

- (a) Accra, Ghana (b) Lagos, Nigeria
(c) Nairobi, Kenya (d) Birmingham, England

Q10. Which Article of the Indian Constitution empowers Parliament to change the name, area, or boundaries of an existing state?

- (a) Article 1 (b) Article 2
(c) Article 3 (d) Article 4

उत्तरमाला (Answer Key)

1 D 2 C 3 A 4 D 5 B 6 C 7 A 8 D 9 B 10 C



लक्ष्य IAS तेलीबाग लखनऊ



Lakshya IAS Academy



8182093320